हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20 भारत 2023 INDIA

तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें
काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 09 अगस्त, 2024-09 अगस्त, 2025

रविवार, 15 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 103 04 पेज, मूल्य ₹1.00

उफान पर घाघरा!

गोण्डा: तेज बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण सरयू

गोण्डा, एजेंसी।

पहाड़ों पर हुई तेज बारिश व बैराजों से डिस्चार्ज पानी से उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले के कर्नलगंज तहसील इलाके मे घाघरा नदी तेज रफ्तार से बढ़कर शनिवार को एल्गिन ब्रिज पर खतरे के निशान को पार कर गयी । घाघरा ने करीब 63 सेमी ऊपर बहकर और तरबगंज तहसील क्षेत्र में सरयू नदी लाल निशान को 9 सेंटीमीटर पार कर तटवर्ती करीब बीस गांवों को अपने जद में ले चुकी हैं । दोनों नदियों के रौद्र रूप को देखते हुये बाढ़ की विभीषिका के भय से प्रभावित गांवों के सभी ग्रामीण परिवार खौफजदा है '

जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव के अनुसार, गिरजा,शारदा और सरयू बैराजों से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी से उफनायी घाघरा नदी ने नकहरा, प्रतापपुर, घरकुइया, काशीपुर, रायपुर माझा , और तरबगंज तहसील क्षेत्र में सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर ने दुगार्गंज,सोनौली मोहम्मदपुर,ऐली परसौली,परपटगंज ,दत्तनगर, साकीपुर, तुलसीपुर, गोकुला, इन्दरपुर, जैतपुर, माझाराठ और महेशपुर समेत करीब बीस गांवों की से बीस हजार से अधिक की आबादी को बाढ़ से बचाव के लिये राहत व बचाव कार्य कराया जा रहा है ।

उन्होंने बताया कि अब तक बाढ़ से प्रभावित हुये दस गांवों में पीड़ित परिवारों को राहत सामग्रियां पहुंचाने के लिये 38 नावें चलायी जा रही है । उन्होंने बताया कि प्रभावित निचले भागों में बसे गांवों में हजारों हेक्टर कृषि योग्य भूमि व खेतों में जलभराव की स्थिति बढ़ती जा रही है ' प्रभावित गांवों में मवेशियों के चारे की व्यवस्था संग पीड़ित परिवारों को जलजनित रोगों से बचाव के लिये दवाइयां वितरित की जा रही है .

देहगाम की घटना पर मोदी ने जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषणा

अहमदाबाद, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के देहगाम में डूबने की घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त करते हुये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये अनुग्रह राशि की घोषणा की है।श्री मोदी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया है कि गुजरात के देहगाम तालुका में डूबने की घटना में हुई जनहानि के समाचार सुनकर बहुत दुःख हुआ। उन्होंने कहा, इस दुर्घटना में जिन्होंने अपने स्वजनों को खोया है, उन सभी परिवारों के प्रति संवेदनायें व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें यही प्रार्थना। ओम शांति।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा, हनुमान मंदिर पहुंची गंगा

प्रयागराज, एजेंसी।

तीर्थराज प्रयाग में गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़कर दोबार बंधवा स्थित हनुमान मंदिर के भीतर प्रवेश कर गया है।आस्था और धर्म का प्रतीक तीर्थराज प्रयाग में दुनिया का एकमात्र लेटे हनुमान मंदिर में हनुमान की प्रतिमा शुक्रवार की की रात गंगा का जलस्तर मंदिर में प्रवेश कर गया।

प्रयागराज के कोतवाल कहे जाने वाले बंधवा स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जी का गर्भगृह करीब 8 से 10 फुट नीचे है जहां दोबार रात में गंगा मइया ने उनको स्नान कराया। इससे पहले सात अगस्त को मां गंगा ने गर्भगृह में प्रवेश कर अभिषेक किया था।मंदिर के व्यवस्थापक महंत बलबीर गिरी महराज ने बताया कि दुनिया में शायद यह एकमात्र मंदिर हैं जहां विशाल हनुमत लला लेटी मुद्रा में है। इसका विवरण पुराणों में विशद रूप से मिलता है। मंदिर का रखरखाव लम्बे समय से बाघम्बरी गद्दी करती आ रही है। यह मंदिर दुनिया में एकमात्र स्थल है जहां रूद्रावतार में हनुमत लला की लेटी मूर्ति है।उन्होंने बताया कि मान्यता है कि गंगा मां हर साल बरसात में हनुमान मंदिर पहुंचकर हनुमान जी का जलाभिषेक और चरण पखारती हैं। उसके बाद बाढ़ का पानी घटने लगता है लेकिन इस बार दोबारा मां गंगा ने हनुमत लला का अभिषेक किया है।

प्रयागराज आने वाले सभी श्रद्धालु, संत और महात्मा हनुमान मंदिर पहुंचकर अपनी हाजिरी अवश्य ■ शेष पेज 04 पर

खास खबर

मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, चार फरार

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के शहर कोतवाली अंतर्गत लखनऊ -दिल्ली राष्ट्रीय मार्ग पर बिजोरा पुल के पास पुलिस एवं बदमाशों की मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गए जबकि चार अन्य अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में कामयाब रहे।पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने शनिवार को पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 25000 के इनामी बदमाश अपने वाहन से किसी घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर इन्हें बिजोरा पुल के पास शहर कोतवाली पुलिस और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप में रोका ।पुलिस को देख बदमाशों ने फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया.

वहां मंदिर था और हमेशा रहेगा: हिंदू पक्ष

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान दिया कि ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ हैं, इस पर हिंदू पक्ष के लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। ज्ञानवापी केस में वादी सीता साहू ने सीएम योगी के बयान पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हम लोग तो शुरूआत से ही बोल रहे हैं कि वहां मंदिर था और हमेशा रहेगा। सीता साहू ने कहा, सत्य की जीत होनी है, हम लोग तो शुरूआत से ही ये बोल रहे थे कि वहां मंदिर था और आगे भी रहेगा। मैंने खुद काफी बार कहा है कि वहां जो ज्योर्तिलिंग निकला है, वह बाबा विश्वेश्वर जी हैं और वही विश्वनाथ जी हैं। आज सीएम योगी ने हमारा समर्थन किया है, हमें इस बात की काफी खुशी है। जब सरकार ही ऐसी बात करती है तो इससे ये बल मिलता है कि हम लोग सही कर रहे हैं और सत्य के साथ हैं। हम सीएम योगी को धन्यवाद देंगे, क्योंकि वो सच के बारे में खुलकर बोलते हैं।

जौनपुर के नये जिलाधिकारी बनाये गये डॉ दिनेश चंद्र

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन ने जौनपुर के नये जिलाधिकारी के रूप में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के विशेष सचिव डॉ दिनेश चंद्र को नियुक्त किया है। वर्तमान जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ का तबादला कर उन्हें प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डॉ. दिनेश चंद्र कानपुर देहात, बहराइच और सहारनपुर में डीएम का कार्यभार संभाल चुके हैं। जौनपुर में तैनाती के पहले वे चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग में बतौर विशेष सचिव कार्यरत थे। डॉ. दिनेश 2012 बैच के आईएएस हैं।नवागत जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र उत्तरप्रदेश के ही जनपद बिजनौर के मूल निवासी है तथा 2012 बैच के आईएएस अधिकारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- ज्ञानवापी को मस्जिद कहना दुर्भाग्यपूर्ण

विश्वनाथ धाम हैं ज्ञानवापी

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने हिन्दी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिन्दी देश को जोड़ने वाली एक व्यावहारिक भाषा है। देश की बहुसंख्यक आबादी राजभाषा हिन्दी को जानती, पहचानती और समझती है। हिन्दी का मूल देववाणी संस्कृत से है। दुनिया की जितनी भी भाषाएं और बोलियां हैं, उनके स्रोत देववाणी संस्कृत से जुड़ते है। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को जोड़ने के लिए एक व्यावहारिक भाषा के रूप में हिन्दी को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। यह अत्यन्त अभिनंदनीय कार्य है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के चारों कोनों में आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले आदि शंकर की काशी में की गई साधना के समय भगवान विश्वनाथ द्वारा ली गई परीक्षा के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए आज गोरखपुर में कहा कि दुर्भाग्य से आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं।

मुख्यमंत्री जी आज दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषय पर आयोजित 02 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने डॉ0 पद्मजा सिंह की पुस्तक ह्यनाथपंथ का इतिहास, श्री अरुण कुमार त्रिपाठी की पुस्तक ह्यनाथपंथ की प्रवेशिका तथा गोरक्षनाथ शोध पीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुण्डलिनी का विमोचन किया। मुख्यमंत्री जी ने ■ शेष पेज 03 पर

पीएम मोदी का तूफानी दौरा

नयी दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15-17 सितंबर को झारखंड, गुजरात और ओडिशा का दौरा करेंगे और 12,500 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर को प्रधानमंत्री झारखंड की यात्रा करेंगे और सुबह करीब 10 बजे वह झारखंड के टाटानगर रेलवे जंक्शन पर टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को प्रत्यक्ष एवं पांच अन्य ट्रेनों को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे।

सुबह लगभग 10:30 बजे, वह 660 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। टाटानगर, झारखंड में 20 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। 16 सितंबर को सुबह करीब 09:45 बजे प्रधानमंत्री गांधीनगर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद सुबह करीब 10:30 बजे वह महात्मा मंदिर, गांधीनगर, गुजरात में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो (री-इन्वेस्ट) का उद्घाटन करेंगे। दोपहर करीब 1:45 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन करेंगे और सेक्शन 1 मेट्रो स्टेशन से गिफ्ट सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी करेंगे। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अहमदाबाद ■ शेष पेज 04 पर

केजरीवाल को कड़ी टक्कर देने की तैयारी पूरी

दिल्ली से सियासी पारी खेलेंगी स्मृति!

नयी दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को जीतने के लिए भाजपा ने जीजान लगा रखा है। दिल्ली भाजपा आम आदमी पार्टी को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के अलावा जनहित के मुद्दों को जिस प्रखरता से उठा रही है वह दर्शा रहा है कि पार्टी चुनावी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं देना चाहती। हम आपको बता दें कि भाजपा ने 1993 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली में जीत हासिल की थी और 1998 में सरकार का कार्यकाल पूरा होने के बाद भाजपा ने दिल्ली की सत्ता

दिल्ली विधानसभा चुनाव में स्मृति ईरानी बन सकती हैं बीजेपी की सीएम प्रत्याशी

में अब तक वापसी नहीं की है। भाजपा ने 1993 का विधानसभा चुनाव मदन लाल खुराना को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर लड़ा था।

उसके बाद पार्टी ने 1998 में सुषमा स्वराज, फिर विजय कुमार मल्होत्रा तथा बाद में डॉ. हर्षवर्धन और किरण बेदी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया लेकिन जीत हासिल नहीं हुई. दिल्ली में भाजपा की सत्ता जाने के बाद 15 साल कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार रही फिर कुछ समय राष्ट्रपति शासन रहा तथा उसके बाद से आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की सरकार सत्ता में है। इस बार भाजपा को विश्वास है कि वह आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर कर देगी। हम आपको बता दें ■ शेष पेज 04 पर

जम्मू-कश्मीर को आतंक मुक्त बनायेगी भाजपा: मोदी

जम्मू , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर को आतंक मुक्त बनायेगी और आगामी विधानसभा चुनाव यहां का भविष्य तय करेंगे।श्री मोदी ने डोडा जिले में आज जनसभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अपनी दुकानें चलाने के लिए नेशनल कांफ्रेंस , पीडीपी और कांग्रेस ने पिछले सात दशकों से जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया। विदेशी ताकतों के लिए आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर एक आंख की किरकिरी बन गया, जिसके कारण साजिशें रची गयी।उन्होंने कहा, ह्यपरिवार के वंश ने शासन किया और जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर दिया। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसी पार्टियां कभी भी जम्मू-कश्मीर के लोगों को सशक्त नहीं बनाना चाहती थीं, लेकिन भाजपा ने चुनावों के जरिए पंचायतों को मजबूत करके जमीनी स्तर पर लोकतंत्र सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, अट्ठारह सितंबर से शुरू होने वाला आगामी विधानसभा चुनाव जम्मू-कश्मीर के युवाओं और तीन पार्टियों के बीच मुकाबला है।

प्रधानमंत्री आवास में आई 'दीपज्योति'

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य 'दीपज्योति' का आगमन हुआ है। गौमाता ने एक बछिया को जन्म दिया है। इसकी जानकारी खुद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के माध्यम से दी।पीएम मोदी ने एक्स पर बछिया के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह अपने घर पधारे नन्हे मेहमान संग खेल रहे हैं। उसे दुलार रहे हैं। 42 सेकेंड के इस वीडियो में पीएम उसके गले में माला पहनाते हैं और शॉल भी उढ़ाते हैं।उन्होंने लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि 'गावः सर्वसुख प्रदाः' लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। ■ शेष पेज 04 पर

सम्पादकीय

हिन्दू दक्षिणपंथियों का बदलता नैरेटिव

पिछले आम चुनाव (अप्रैल-मई 2024) में जाति जनगणना एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी। इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया जबकि भाजपा ने इसकी खिलाफत की। जाति जनगणना के संबंध में विपक्षी पार्टियों की सोच एकदम साफ और स्पष्ट है।जाति के मुद्दे ने हिन्दू दक्षिणपंथी राजनीति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उच्च जातियां, निम्न जातियों का शोषण करती आई हैं यह अहसास जोतीराव फुले और भीमराव आंबेडकर जैसे लोगों को था। इस मुद्दे से जनता का ध्यान हटाने के लिए उच्च जातियों के संगठनों ने भारत के अतीत का महिमामंडन करना शुरू कर दिया। हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा और मनुस्मृति के मूल्य इन ताकतों के एजेंडा के मूल में थे। पिछले कुछ दशकों से आरएसएस ने इस नैरेटिव को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है कि सभी जातियां बराबर हैं। संघ से जुड़े लेखकों ने विभिन्न जातियों पर कई किताबें लिखीं जिनमें यह कहा गया कि अतीत में सभी जातियों का दर्जा बराबर था।आरएसएस नेताओं का यह दावा है कि अछूत जातियां विदेशी आक्रान्ताओं के अत्याचारों के कारण अस्तित्व में आईं और उसके पहले तक हिन्दू धर्म में उनका कोई स्थान नहीं था। संघ के कम से कम तीन नेताओं ने दलित, आदिवासी और कई अन्य समूहों के जन्म के लिए मध्यकाल में 'मुस्लिम आक्रमण' को जिम्मेदार बताया है. संघ के एक शीर्ष नेता भैयाजी जोशी के अनुसार, हिन्दू धर्मग्रंथों में कहीं भी शूद्रों को अछूत नहीं बताया गया है। मध्यकाल में 'इस्लामिक अत्याचारों' के कारण अछूत दलितों की एक नयी श्रेणी उभरी। जोशी के लिखा है: 'हिन्दुओं के स्वाभिमान को तोड़ने के लिए अरबी विदेशी हमलावरों, मुस्लिम राजाओं और गौमांस भक्षण करने वालों ने चंद्रवंशी क्षत्रियों को गायों को काटने, उनकी खाल उतारने और उनके कंकाल को किसी सूनी जगह फेंकने जैसे घिनौने काम करने पर मजबूर किया। इस तरह विदेशी हमलावरों ने 'चर्म-कर्म' करने के लिए एक नयी जाति बनाई और यह काम स्वाभिमानी हिन्दू कैदियों को सजा के स्वरूप दिया जाता था।'इस सारे दुष्प्रचार का उद्देश्य है जाति को ऐसी सकारात्मक संस्था बताना, जो हिन्दू राष्ट्र की रक्षा करती आई है। जाति जनगणना की मांग के जोर पकड़ने की पृष्ठभूमि में आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य ने 5 अगस्त (2024) के अपने अंक में हितेश सरकार का एक लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है- 'ऐ नेताजी: कौन जात हो'। लेख में यह दावा किया गया है कि विदेशी आक्रान्ता जाति की दीवारों को तोड़ नहीं सके और इसी कारण वे हिन्दुओं का धर्मपरिवर्तन नहीं करवा सके। जाति, हिन्दू समाज का एक मुख्य आधार है और उसी के कारण विदेशी हमलों के बाद भी देश सुरक्षित और मजबूत बना रहा। इस लेख में बम्बई के पूर्व बिशप लुई जॉर्ज मिल्ने की पुस्तक 'मिशन टू हिन्दूस: ए कॉन्ट्रिब्यूशन टू द स्टडी ऑफ मिशनरी मेथडस' से एक उद्धरण दिया गया है। उद्धरण यह है: '...तो फिर वह (जाति), सामाजिक ढांचे का आवश्यक हिस्सा है। मगर फिर भी, व्यावहारिक दृष्टिकोण से वह लाखों लोगों के लिए धर्म है...वह किसी व्यक्ति की प्रकृति और धर्म के बीच कड़ी का काम करती है।'लेखक के अनुसार, मिशनरीज को जो चीज उस समय खल रही थी वही आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को खल रही है क्योंकि कांग्रेस, ईस्ट इंडिया कंपनी और लार्ड ए.ओ. ह्यूम की उत्तराधिकारी है। इसमें यह भी कहा गया है कि चूँकि आक्रान्ता, जाति के किले को नहीं तोड़ सके इसलिए उन्होंने (मुसलमानों) ने इज्जतदार जातियों को हाथ से मैला साफ करने के काम में लगाया और यह भी कि उस काल से पहले हाथ से मैला साफ करने की प्रथा का कहीं वर्णन नहीं मिलता।

झोले में पुस्तकालय

बच्चों में किताबों को पढ़ने की रूचि उनकी स्कूली किताबें पढ़ने तक सीमित हो गई है। किताबें समय मांगती हैं। लेकिन किताबों की दुनिया अलग है। जब बच्चे यहां रंग-बिरंगे चित्रों वाली किताबें पढ़ते हैं। कहानी और कविता पढ़ते हैं, उनके हाव-भाव देखते ही बनते हैं। दिल उछल जाता है। वे कहानी और कविताओं के माध्यम से एक अलग दुनिया की सैर करते दीखते हैं

किताबों से हमारे अनुभव संसार का विस्तार होता है। नए अवसरों का संसार भी खुलता है। मुझे कुछ पुस्तकालयों को देखने और ऐसे लेखकों से मिलने का मौका मिला है, जिनकी दुनिया किताबों से जुड़ी थी। आज इस कॉलम में इन सबकी चर्चा करना उचित होगा, जिससे उनके महत्व के बारे में समझा जा सके।हमारे गांव में एक स्वयंसेवी संस्था थी, जिसका एक पुस्तकालय था। सबसे पहले मेरा इसी पुस्तकालय में किताबों से साक्षात्कार हुआ। किताबों को उलटना-पलटना, चित्र देखना, पढ़ना और उनके बीच रहना, मुझे बहुत अच्छा भाता था। वहां किताबें वर्गीकृत करके कांच की अलमारी में व्यवस्थित रखी होती थी। अलमारी खुली होती थी, जिससे जो भी किताब चाहिए, वह निकाल कर देखी जा सकती है।पुस्तकालय का सदस्य बनने के लिए बहुत ही मामूली शुल्क जमा करना होता था। उसके बाद किताब को पढ़ने के लिए घर ले जाया सकता था और निर्धारित समय में पढ़कर वापस किया जा सकता था। जो लोग संस्था के पुस्तकालय में नहीं आ पाते थे, उनके लिए संस्था ने गांव तक पुस्तकें पहुंचाने के लिए चलता-फिरता पुस्तकालय (सचल पुस्तकालय) भी शुरू किया था।इसमें संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से गांव जाते थे और वहां झोले में भरकर पुस्तकें ले जाते थे। वे गांव में एक चबूतरे या पेड़ के नीचे किताबें फैलाकर बैठ जाते थे। वहां किताबों को देखने, उलटने-पलटने बच्चों की भीड़ जमा हो जाती थी। इन बच्चों व वयस्कों के लिए 25 पैसे सदस्यता शुल्क रखा गया था। इसे जमा कर वे किताबें घर ले जा सकते थे। और अगले हफ्ते जमा कर फिर दूसरी किताब ले जा सकते थे। कई बार बच्चों से घर के बड़े सदस्य किताबें मंगवाते थे। यह सिलसिला लंबे समय तक चला।मुझे भी इस सचल पुस्तकालय को देखने का मौका मिला। यह बहुत अनूठा था। हमारे इलाके में किताबें पढ़ने का चलन कम है। उस समय बच्चों के पास भी स्कूली किताबों के अलावा कोई और किताबें पढ़ने के लिए नहीं होती थीं। शायद अब भी नहीं होती।

पुस्तकालय की गतिविधियों का एक और कार्यक्रम होता था व्याख्यान करवाना। इसके तहत शिक्षा, समाज, साहित्य और पर्यावरण से जुड़े देश के जाने-माने लोगों को आमंत्रित किया जाता था, और उनका व्याख्यान करवाया जाता था। जिससे अलग-अलग मुद्दों पर लोगों को विशेषज्ञों के विचार जानने को मिलते थे। संगोष्ठियों में विचारों का आदान-प्रदान भी होता था।इसके बाद मुझे इंदौर में नईदुनिया समाचार पत्र से जुड़ने का मौका मिला, वहां की लायब्रेरी काफी समृद्ध थीं। रायपुर में देशबन्धु का संदर्भ पुस्तकालय भी बहुत अच्छा था। कई बार देश-विदेश की खबरों के लिए संदर्भ सामग्री देखने की जरूरत पड़ती थी, या किसी विशेष अवसर की फोटो चाहिए होती थी, देशबन्धु के संदर्भ पुस्तकालय में सहज ही उपलब्ध हो जाती थी। बाद में मुझे कई और पुस्तकालय देखने का मौका मिला।

मेरे एक मित्र हैं, अरविंद गुप्ता जी, जो पुणे रहते हैं। टॉयमेकर के नाम से प्रसिद्ध हैं, उन्होंने विज्ञान व गणित को सिखाने के लिए अनूठा तरीका अपनाया है। वे बेकार व मामूली चीजों से खिलौने व मॉडल बनाकर बच्चों को उसके पीछे के सिद्धांतों को समझाते हैं। इसके अलावा, उनका एक महत्वपूर्ण काम है, देश-दुनिया के बाल साहित्य का अनुवाद करना। उसे उनकी वेबसाइड पर देखा जा सकता है। उनकी वेबसाइड पर सैकड़ों किताबें उपलब्ध हैं, जिसे कोई भी डाउनलोड कर सकता है। अरविंद गुप्ता के यू ट्यूब पर कई वीडियो भी हैं, जिसमें उन्होंने कई किताबों का परिचय दिया है। वे कई बार इन किताबों के बारे में विस्तार से भी बताते हैं।उन्होंने मुझे 15 ऐसी कहानियों की किताबें भेजी हैं, जिनमें पुस्तकालय की पहल की गई है। ये देश-दुनिया की कहानियां हैं, जिनमें अलग-अलग तरीकों से जरूरतमंद बच्चों व बड़ों को किताबों को पहुंचाने का काम किया है। इसमें ऐसी भी कहानियां हैं, जिनमें लोग गधे व घोड़ों का इस्तेमाल दूरदराज के गांवों में ले जाने के लिए करते हैं। पहाड़ों के गांवों में किताबें ले जाने में इससे मदद मिलती है।

इसी प्रकार की पहल मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था एकलव्य ने की है। उन्होंने पुस्तकालय भी संचालित किए हैं और बच्चों को लिए मोबाइल लाइब्रेरी भी चलाई हैं। सचल पुस्तकालय की एक पहल मध्यप्रदेश के हरदा शहर में चल रही है। कुछ साल पहले मुझे भी इस लाइब्रेरी को भी देखने का मौका मिला था।यह पहल एक स्कूल शिक्षिका शोभा वाजपेयी ने शुरू की है, जिसे कुछ शिक्षकों व पुस्तकप्रेमी लोगों ने सहयोग दिया है। यह मुख्यतः गरीब बच्चों के लिए है। यहां लाइब्रेरी के लिए न कोई भवन है और न बड़ी-बड़ी कांच की आलमारियों में किताबें कैद हैं। खुले आसमान के नीचे, पेड़ की छांव में दरी बिछी होती हैं। किताबें होती हैं, रंगीन स्कैच पेन व पेंसिल होती हैं और खेलकूद का सामान और खिलौने भी।वर्ष 2013 में चहक की शुरूआत हुई। किताबें एकत्र करना शुरू किया। कुछ एकलव्य संस्था से, कुछ दोस्तों से, कुछ अपने घर से किताबें एकत्र कीं और कुछ किताबें खरीदी भी। किताबों की पहचान के लिए उन पर लगाने के लिए 'चहक ' की सील बनवाई गई, बच्चों के बैठने के लिए दरी खरीदी गई।शोभा वाजपेयी बताती हैं कि हम बहुत मामूली ढंग से पुस्तकालय चलाते हैं। कभी दरी पर बैठ कर तो कभी आसपास से कुर्सी मांग कर तो कभी खड़े खड़े बाइक से सहारा लेकर ही हम लोग किताबें बांटते हैं। खड़े रहने की स्थिति तब बनती जब उन घरों में कोई नहीं होता या कुछ खास कार्यक्रमों से गहमा-गहमी रहती है। वे आगे बताती हैं कि यहां सिर्फ स्कूल की तरह सब कुछ शब्दों से ही नहीं सिखाया जाता बल्कि चित्रकला, हाव-भाव के साथ कविता सुनाना, खेल-कूद करवाना और कहानी-कविता का नाट्य रूपांतरण आदि गतिविधियां भी होती हैं। यह लाइब्रेरी के साथ गतिविधि केन्द्र भी है।यह सही है कि बच्चों में किताबों को पढ़ने की रूचि उनकी स्कूली किताबें पढ़ने तक सीमित हो गई है। किताबें समय मांगती हैं। लेकिन किताबों की दुनिया अलग है। जब बच्चे यहां रंग-बिरंगे चित्रों वाली किताबें पढ़ते हैं। कहानी और कविता पढ़ते हैं, उनके हाव-भाव देखते ही बनते हैं। दिल उछल जाता है। वे कहानी और कविताओं के माध्यम से एक अलग दुनिया की सैर करते दीखते हैं।इस छोटे कस्बे में जहां बस्तियों में सार्वजनिक स्थान नहीं है, वहां मिलने-जुलने और विचारों के आदान-प्रदान का मंच है। यहां बैठकर विभिन्न विषयों पर बात करते हैं। देश-दुनिया व ज्ञान-विज्ञान की दुनिया से रू-ब-रू होते हैं। वे अपने सवालों के जवाब खोजते हैं।कुल मिलाकर, इस पूरी पहल से बच्चे एक-दूसरे से सीख रहे हैं, किताबों की दुनिया से परिचित हो रहे हैं, उनके अनुभव संसार फैल रहा है। नए-नए विचार व अनुभवों से हम जुड़ते हैं। रचनात्मकता बढ़ती है। नवाचार करते हैं। बच्चे सोचते हैं, चित्र बनाते हैं, कहानी लिखते हैं। कुछ जगह बाल अखबार बनाते हैं और आपस में एक-दूसरे से सीखते हैं। ऐसी पहल को बढ़ावा देने की जरूरत है।अगला सवाल है हम क्या कर सकते हैं? इसका एक जवाब तो यही हो सकता है कि हम बच्चों को किताबें उपहार में दें। उन्हें जब भी मौका मिले, पुस्तकालयों में जाने के लिए प्रोत्साहित करें, खुद भी ले जाएं। स्कूलों में पुस्तकालय होते हैं, पर उनका कई कारणों से इस्तेमाल नहीं होता है, वहां से किताबें लाने की आदत डालें।यह भी पाया गया है कि अगर पुस्तकालय में पुस्तकों के साथ एक गतिविधि केन्द्र भी हो तो वहां बच्चे अधिक आकर्षित होते हैं। उदाहरण के लिए बच्चे वहां पर कागज के छोटे-छोटे खिलौने बना सकते हैं या फिर कबाड़ से जुगाड़ यानी फेंकी हुई चीजों से कई मजेदार चीजें बना सकते हैं। इस तरह बच्चे किताबें तो पढ़ेंगे ही, साथ में कई हस्त कुशलताएं भी सीखेंगे और उनके चेहरे पर भी मुस्कान होगी। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं?

गरज रहा भारत का आसमान

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास तरंग शक्ति का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। तरंग शक्ति वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस वॉर एक्सरसाइज में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की सूर्य किरण टीम ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में तिरंगा बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया।तरंग शक्ति के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने तेजस में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफ ए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। तरंग शक्तिह्ल के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के तरंग शक्ति अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में डिफेंस एक्सपो शुरू होगा. जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। तरंग शक्ति का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दशार्या जा रहा है।

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर नियंत्रण हटाना एक बड़ा छलावा

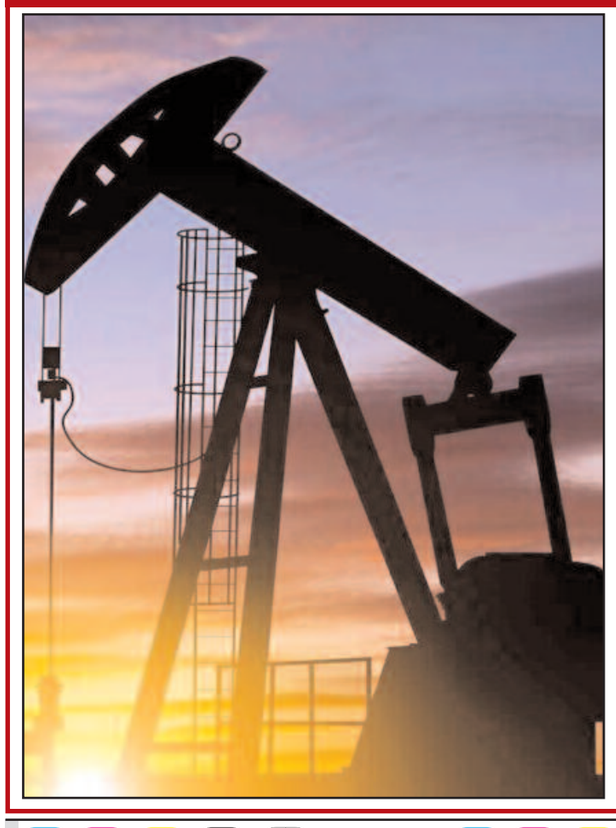

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर से नियंत्रण हटाना स्थानीय खुदरा बाजार की कीमतों को वैश्विक मूल्य प्रवृत्तियों से जोड़ने के किसी ईमानदार उद्देश्य से ज्यादा आम जनता और सीधे-साधे उपभोक्ताओं को धोखा देना है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें अक्सर तेजी से बढ़ जाती हैं, परन्तु जब वैश्विक बाजार में कीमतें घटती हैं तब भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतें तेजी से नहीं घटतीं।सबसे पहले 2010 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल की खुदरा कीमतों पर और उसके बाद 2015 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा डीजल की कीमतों पर से नियंत्रण हटाया गया। देश लगभग 87 प्रतिशत आयातित खनिज तेल पर निर्भर है। आयात की कीमतों में गिरावट आने पर भी खुदरा तेल की कीमतें शायद ही कभी कम होती हैं, यहां तक कि काफी लंबे समय तक भी नहीं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व और शुल्क का सबसे बड़ा स्रोत हैं। यहीं पर समस्या है। बहुत ही सावधानी से पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है। जून 2022 के मध्य से, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मासिक औसत कीमत में काफी गिरावट आई है - अपने चरम पर 116 डॉलर प्रति बैरल से अब 76.8 डॉलर प्रति बैरल तक। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है। न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है।इसके बजाय, तेल कंपनियां उच्च लाभ कमा रही हैं। सरकार का कर राजस्व भी अप्रभावित रहा है। व्यवहार में, बहुप्रचारित तेल मूल्य नियंत्रण एक बड़ा दिखावा प्रतीत होता है। अक्सर तेल और रसोई गैस की खुदरा कीमतें वैश्विक कीमतों या कच्चे तेल की आयात लागत के साथ उनके अपेक्षित प्राकृतिक जुड़ाव की तुलना में केंद्र और राज्यों में चुनावों से अधिक जुड़ी होती हैं।

आधिकारिक तौर पर, सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन संगठन पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, 2013 से 2018 के बीच पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत लें। जनवरी 2013 में यह 110 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मार्च 2018 में कीमत घटकर 64 अमेरिकी डॉलर रह गई। इस बीच, जनवरी 2016 में कीमत घटकर 28 डॉलर रह गई थी। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इन पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई थी, भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत वास्तव में आठ प्रतिशत और डीजल की खुदरा कीमत में 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।यह तथाकथित तेल मूल्य विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है, जिसमें घरेलू खुदरा कीमतों को कच्चे तेल के थोक आयात लागतों से जोड़ा जाता है, जबकि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि होने पर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती है। सरकार ने खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियंत्रण करने के पीछे के उद्देश्य के बारे में लोगों को पूरी तरह से गुमराह किया है। यह धारणा बनाई गई है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है। सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए, और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए। हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है।सबसे बड़े लाभार्थी सरकार द्वारा नियंत्रित तेल कंपनियां हैं, जो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, और फिर सरकार है जिसका कर राजस्व बरकरार है। सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। यह पूरी तरह से एक राजनीतिक निर्णय था। इसका वैश्विक पेट्रोलियम कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के रुझान से कोई लेना-देना नहीं था। खुदरा उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।दरअसल, सरकार के तेल मूल्य नियंत्रण तंत्र ने खुदरा तेल कीमतों को नियंत्रित करने में उसके हाथ को और मजबूत किया है। इससे उपभोक्ताओं से ज्यादा सरकार को फायदा होता है। जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें बढ़ जाती हैं और उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। जब वैश्विक कीमतें गिरती हैं, तो सरकार ईंधन पर कर और शुल्क जोड़ती है। उपभोक्ता और ईंधन खुदरा विक्रेता नुकसान में हैं। कोविड महामारी के दौरान, जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें गिर गयीं, तो भारतीय उपभोक्ताओं को लाभ नहीं हुआ क्योंकि राज्य के स्वामित्व वाले तेल खुदरा विक्रेताओं ने 82 दिनों तक कीमतों में संशोधन करना बंद कर दिया था।

जब कच्चे तेल की कीमतों में आंशिक रूप से सुधार हुआ, तो सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों पर कर बढ़ा दिये।भले ही सरकार और तेल कंपनियां, ज्यादातर सरकारी स्वामित्व वाली, अच्छी कमाई कर रही हों, फिर भी उपभोक्ताओं को ईंधन की ऊंची कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। तेल सह गैस क्षेत्र कुछ हद तक केंद्र और राज्य सरकारों दोनों के लिए दुधारू गाय की तरह है। यह कई तरीकों से सरकार के कर राजस्व में योगदान देता है। इनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क, पेट्रोलियम उत्पादों पर सीमा शुल्क, कच्चे तेल पर रॉयल्टी, कॉर्पोरेट सह आयकर, पेट्रोलियम उत्पादों पर सेवा कर, कच्चे तेल पर उपकर और अधिभार शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में तेल और गैस क्षेत्र ने सरकार के खजाने में 3.41 ट्रिलियन रुपये का योगदान दिया। इसमें राष्ट्रीय सरकार के लिए 1.85 ट्रिलियन रुपये और राज्यों के लिए 1.56 लाख करोड़ रुपये शामिल थे। पिछले एक दशक में भारतीय राज्यों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों से कुल कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014-15 में, राज्यों ने पेट्रोलियम करों से 1.37 लाख करोड़ रुपये एकत्र किये, जो 2023-24 में बढ़कर 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गये।

भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है। सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए, और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए। हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है।

इंदल सिंह को जलाने के मामले में अभियुक्तों की तत्काल हो गिरफ्तारी : डॉ ओम

बाराबंकी, संवाददाता।

सामंतवादी गुंडो द्वारा इंदल सिंह पटेल के ऊपर पेट्रोल छिड़क कर जला देने की दर्दनाक घटना निर्ममता की पराकाष्ठा है भारतीय कुर्मी महासभा उत्तर प्रदेश इस जघन्य घटना की घोर निंदा व भर्त्सना करती है । यदि अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी नहीं की गयी तो संगठन धरना प्रदर्शन को बाध्य होगा । यह बात भारतीय कुर्मी महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 हरिश्चंद्र पटेल के आह्वान पर जिला अध्यक्ष डॉ0 ओम कुमार वर्मा ने जिला अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजते हुए कही उन्होंने कहा कि 6 सितंबर 2024 को जिला ललितपुर में ग्राम गौना थाना नरहट निवासी हुकुम सिंह के पुत्र इंदल सिंह पटेल उम्र 45 वर्ष पर सामंतवादी गुंडे कृष्ण गोपाल गुड्डू राजा नानू राजा सहित 9 लोगों ने रात्रि लगभग 11:00 बजे घर में घुसकर उन्हें मारपीट कर लहुलुहान कर दिया था उनके ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दिया घर में तोड़फोड़ कर बहन बेटियों के साथ मारपीट किया जिससे उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय ललित पुर व हालत गंभीर होनें पर झांसी व झांसी से ग्वालियर रेफर कर दिया गया है जहां वे जिंदगी मौत से जूझ रहे हैं इसके संबंध में परिजनों ने घटना में शामिल 7 लोगों के खिलाफ नाम जद एवं दो से तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ नरहट थाने में एफआईआर दर्ज कराया इसके बावजूद अभी तक केवल दो लोगों की ही गिरफ्तारी हुई है वहीं पुलिस अपराधियों से मिलकर लीपा पोती कर-के मुख्य आरोपी को बचाने का प्रयास कर रही है ऐसी स्थिति में पुलिस प्रशासन से न्याय मिलना शायद संभव नहीं प्रतीत हो रहा है इस घटना को लेकर पूरे पटेल समाज में आक्रोश व्याप्त है। इंदल सिंह पटेल एक सीधे-साधे किसान थे जो किसानी करके किसी तरह से परिवार का भरण पोषण करते थे जिन पर परिवार की सारी जिम्मेदारी थी भारतीय कुर्मी महासभा उत्तर प्रदेश इस घटना की घोर निंदा करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी किए जाने व परिजनों को 50 लख रुपए की आर्थिक सहायता की मांग किया है पीड़ित परिजनों की यदि मगि पूरी नहीं हुई तो भारतीय कुर्मी महासभा पूरे उत्तर प्रदेश में सड़क पर उतरकर पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने हेतु धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी .

लखनऊ मेट्रो का धंस सकता है पिलर

यूनिवर्सिटी के पास 15 फीट सड़क धंसने के बाद पीडब्ल्यूडी की चेतावनी

सत्ता संकेत
नीरज सिन्हा (ब्यूरो चीफ), लखनऊ।

लखनऊ यूनिवर्सिटी के सामने मेट्रो का पिलर धंस सकता है। पीडब्यूडी ने शनिवार को चेतावनी जारी की है। एक दिन पहले यहां पाइप-लाइन से पानी के रिसाव और बारिश की वजह से सड़क धंस गई थी। पीडब्यूडी की तरफ से कहा गया है कि जलकल को पानी के रिसाव का सोर्स नहीं मिल रहा है, ऐसे में मेट्रो पिलर की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। गुरुवार देर रात बारिश की वजह से लखनऊ यूनिवर्सिटी मेट्रो स्टेशन के पास 15 फीट सड़क धंस गई। जिसकी वजह से बड़ा गड्ढा हो गया था। साथ ही आवागमन बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि पाइप से पानी के रिसाव और बारिश की वजह से सड़क धंसी है। अब जेसीबी लगाकर खुदाई की जा रही है। पाइप के रिसाव तक पहुंचने के लिए बड़ा गड्ढा बनाया जा रहा है, जो मेट्रो पिलर से सिर्फ 15 मीटर दूर है। अगले 48 घंटे पानी रिसाव को रोकने का काम चलेगा। मेट्रो पिलर और लेसा ऑफिस की सुरक्षा सुनिश्चित करें

पीडब्ल्यूडी की तरफ से जारी किए गए लेटर में कहा गया है कि मेट्रो पिलर की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी रखें। इसके साथ ही पास में बनीं लेसा ऑफिस की सुरक्षा सुनिश्चित करें और पानी के रिसाव को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। निदेशक वर्क्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर यूपी मेट्रो और अधीक्षण अभियंता लेसा पुरानिया को पत्र लिखकर अधिशाषी अभियंता प्रांतीय खंड ने चेतावनी जारी की है। वहीं पीडब्लूडी की तरफ से यह भी कहा गया है कि मामले की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

सड़क धंसने के बाद गड्ढा हो जाने से शुक्रवार की सुबह से ही विश्वविद्यालय के सामने ट्रैफिक जाम से लोग बेहाल रहे। मामला मुख्य मार्ग का होने और जाम की समस्या गहराने के बावजूद घंटों लोक निर्माण विभाग का कोई जिम्मेदार अभियंता मौके पर नहीं पहुंचा था। आला अफसरों के हस्तक्षेप के बाद जलकल, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी की टीम मौके पर पहुंचीं। जलकल (जल निगम) के स्वेज इंडिया कम्पनी की टीम भी मौके पर बुलाई गई। पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने निरीक्षण के दौरान जलकल व बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। लोक निर्माण विभाग (मध्य क्षेत्र) के मुख्य अभियंता विजय कनौजिया ने बताया कि लखनऊ-कुर्सी-महमूदावाद मार्ग पर यूनीवर्सिटी के सामने पड़ी सीवर लाइन में अक्सर जल का रिसाव होता रहता है। जिससे सड़क धंसने की घटना होती है। इस बार भी सीवर लाइन में रिसाव से मिट्टी और सड़क धंस गई है। चार माह पहले भी इसी मार्ग पर एक मैनहोल के पास सड़क धंस गई थी, जिसको ठीक कराया गया था। अब उससे कुछ दूरी पर मेट्रो स्टेशन व बिजली उपकेन्द्र के सामने की सड़क धंसी है। हालांकि मौके पर ही मौजूद जलकल, नगर निगम व स्वेज इंडिया टीम के सदस्य पीडब्ल्यूडी के इस तर्क से संतुष्ट नहीं दिखे। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता सत्येन्द्र नाथ ने बताया कि सड़क सुरक्षा का कार्य शुरू हो गया है। जलकल (जल निगम) की स्वेज इंडिया की टीम ने सीवर लाइन में रिसाव की मरम्मत का काम प्रारम्भ करा दिया है। मौके पर बालू एवं जेएसवी कलेक्शन पर लिया गया है। सीवर लाइन में रिसाव का का काम पूरा होने पर पीडब्ल्यूडी रेस्टोरेशन का काम करवाएगा। किसी बड़े हादसे का है इंतजार

अकेले यूनिवर्सिटी ही नहीं काफी आगे तक की लोक निर्माण विभाग की इस सड़क पर बीते वर्षों में कई बार मार्ग धंस चुकी है। एक बार गड्ढे में जाने से एक कार चालक बाल-बाल बचा था। इस मार्ग के नीचे से सीवर की मुख्य लाइन के साथ ही बिजली विभाग के कई केबिल भी गुजर रहे हैं। जिससे अक्सर सड़क धंसने की घटनाएं होती हैं।

जवानों तथा सिविलयनों नें भी बढ़ -चढ़ कर स्वच्छता ही सेवा में लिया भाग

सत्ता संकेत
संवादादात दीपक विमल।

स्वच्छता ही सेवा (SHS) अभियान 2024 (गृह मंत्रालय भारत सरकार) के अन्तर्गत 11वीं वाहिनी मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल जैतीखेरा लखनऊ में सर्वप्रथम अभियान का शुभारंभ एक स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर किया गया तदोपरांत कैंपस एवं आस - पास के इलाके की साफ सफाई, बैनर, पोस्टर एवं पर्चों का वितरण तथा एक शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता के प्रति स्वयं की जागरूकता के अलावा दुसरों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित कर अभियान से जुड़ने और अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करने पर जोर दिया गया जिससे संपूर्ण भारत को स्वच्छ बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सके, उपरोक्त सम्पूर्ण कार्यक्रम की अगुवाई श्री संजीव असिस्टेंट कमांडेंट एवं प्रधान लवकुश यादव प्रबंधक एसडीवी अकादमी मण्डल अध्यक्ष लखनऊ मण्डल उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षक संघ द्वारा की गई, इसके अलावा स्वच्छता अभियान में 11 वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर पुनीत कुमार सभी रड'र, जवानों तथा सिविलयनों नें भी बढ़ -चढ़ कर भाग लिया।

खास खबर

पति को शराब पिलाकर मकान का कराया बैनामा मामला पुलिस की चौखट पर

सत्ता सकेंत संवाददाता।

पुरवा। क्षेत्र के गांव सैदपुर निवासी प्रेम कुमारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 27 अगस्त को गांव के ही एक व्यक्ति ने पति राजेंद्र को को शराब पिलाकर नशे में कर मकान का तीन लाख में बात कह बैनामा करा लिया। और रुपए खाते में डालने की बात कही। लेकिन उक्त व्यक्ति ने खाते में रुपए नही डाले।अगले दिन पति ने पूरा बताया।जिसपर उक्त व्यक्ति से शिकायत की तो गाली गलौज कर भगा दिया।आरोप लगाया की जिस घर का बैनामा पति से कराया गया है वह घर मेरे नाम पर है।

पिता को नहर में डूब जाने की जताई आशंका

सत्ता सकेंत संवादाता।

पुरवा। क्षेत्र के बेवल निवासी माया देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पिता विजय शंकर 13 सितंबर सुबह शौच क्रिया की बात कहकर घर से निकले थे।काफी देर तक घर वापस ना आने पर खोजबीन की गई।जिसपर गांव के बाहर से निकली शारदा नहर पुरवा ब्रांच के पास जानवर चरा रहे लोगो से जानकारी की गई तो कुछ लोगो ने थोड़ी देर पहले नहर के पास पिता को देखने की बात बताई।जिसपर पिता के नहर में डूबने की आशंका पर गांव के कुछ लोगो ने पानी में कूदकर खोजबीन की।लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। कोतवाल राकेश गुप्ता ने बताया कि तहरीर मिली है।पुलिस को भेजकर जांच कराई जा रही है।

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ सुपरफास्ट ट्रेन हादसे में कीमैन बर्खास्त

गोंडा। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ सुपरफास्ट ट्रेन हादसे में कार्रवाई शुरू हो गई है। गोंडा-गोरखपुर रेलखंड के मोतीगंज-झिलाही स्टेशन के बीच पिकौरा गांव के पास 18 जुलाई को ट्रेन हादसा हुआ था। शुक्रवार को रेलवे प्रशासन ने हादसे में ट्रैक के कीमैन आसने को बर्खास्त कर दिया।ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद की कीमैन का ऑडियो वायरल हुआ था। जिसे रेलवे प्रशासन ने गंभीरता से लिया और कार्रवाई की है। कीमैन आसने के ऑडियो से हादसे के विपरीत स्थिति बन गई थी। ट्रेन हादसे में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ सुपरफास्ट ट्रेन की 19 बोगियां उतर गई थीं। हादसे में चार रेलयात्रियों की मौत हो गई थी, 33 यात्री घायल हुए थे।

हिन्दी दिवस : एकता के सूत्र में पिरोने का काम करती है हिंदी: गया प्रसाद दुबे

बाराबंकी, संवाददाता।

हिंदी भारत की आत्मा है। जो देश के कोने-कोने में लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का काम करती है। यह बात चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय बरदरी में हिन्दी दिवस के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कालेज के प्राचार्य डॉ गयाप्रसाद दुबे ने कही उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों का वाहक है। हिंदी साहित्य, कविता, संगीत, ने हमारे समाज में हमेशा एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। तुलसीदास, कबीर, प्रेमचंद जैसे महान साहित्यकारों ने हिंदी को एक नई पहचान दी है।

अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक मशीउउर्रहमान ने भाषा की सार्वभौमिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्वीकरण के युग में अंग्रेजी का महत्व भी अपने स्थान पर है, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि हिंदी हमारी अपनी भाषा है। इसे बोलने में, लिखने में और इसके प्रति गर्व महसूस करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। किसी भी देश की भाषा उसकी पहचान होती है और हिंदी हमारी पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।बी ए पंचम सेमेस्टर की छात्रा ममता ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हिंदी दुनिया की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। यह भाषा आज न सिर्फ साहित्य के माध्यम से बल्कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और विज्ञान के क्षेत्र में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्राध्यापक डॉ धीरज पाठक ने कहा हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाने का दिन है कि हमें अपनी भाषा का आदर करना चाहिए और इसके प्रसार के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। हमें हिंदी को केवल एक भाषा के रूप में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्र की शान के रूप में देखना चाहिए।इस मौके पर दीक्षा मिश्रा लक्ष्मी वर्मा कला संकाय विभागाध्यक्ष डॉक्टर बृजेश सिंह आज में हिंदी दिवस पर हिंदी के कई आयामों पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक बृजेश कुमार कोविद ने किया.

पौधारोपड महाअभियान के तहत एम एल सी ने लोगो को शपथ दिलाई तथा सैकड़ो लोगो को भाजपा की सदस्यता दिलाई

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

असोहा उन्नाव। कुटी बीर बाबा सेवा संस्थान के तहत पूरे जिले में लगाये जा रहे पौधो की कड़ी में आज क्षेत्र के चौपई गांव में पौधा रोपड़ कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के अध्यक्ष संजय शुक्ल के नेतृत्व में किया गया ,कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा एम एल सीं रामचन्द्र प्रधान ने पौधा रोपड़ किया तथा लोगो को शपथ दिलाई इस दौरान उन्होंने कहा कि आज प्रकति रोज अपना स्वभाव बदल रही है और यदि प्रकति में संतुलन बनाना है तो अधिक से अधिक पौधरोपड़ करे ।

इस दौरान चौपई के बूथ संख्या 239 ,240 पर लगभग डेढ़ सैकड़ा लोगो को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई । कुटीबीर बाबा मंदिर के दर्शन करने के उपरांत पत्रकारों से वार्ता के दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्यायों जैसे जर्जर मार्ग ,आवारा जानवरो पर बोलते हुए कहा कि जल्द ही इन समस्यायों से निजात मिलेगी ,उन्होंने कहा कि आगामी उपचुनाव में भाजपा सभी सीट जीतने जा रही है । इस दौरान पुर्व विधायक कालपी छोटे सिंह,प्रधान अमरसिंह यादव ,प्रधान उमेश साहू ,प्रधान आनन्द गुप्ता ,प्रवीण शुक्ल , रामराज सिंह ,नीरज त्रिपाठी , पुनीत यादव ,राम जी गुप्ता , बबलू दिक्छित, फिरोज अहमद ,त्रिभुवन त्रिपाठी ,सुनील सिंह , अजय सविता , तुलसी सविता अन्य भाजपाई उपस्थित रहे ।

बारिश के बाद कॉल बनाकर निकली धूप गरीबों के कच्चे मकान गिरने हूए शुरू

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

असोहा। धूप निकलते ही घर गिरी का सिसिला जारी , बाल बाल बचे परिवारी जन । बारिश के बाद कल धूप खिलने से घर गिरने लगे , क्षेत्र के कन्दरपुर गांव में अखिलेश अवस्थी के घर मे जिस कमरे में घर गृहस्थी का सामान रखा जाता तथा खाना बनाया जाता कल देर रात अचानक भरभरा कर कमरा बैठ गया ,गिरे कमरे में गैस सिलेंडर चूल्हा ,बक्शा बर्तन तथा गेहू चावल ,दाल ,सहित ग्रहस्थी का अन्य सामान उसी में दब कर नष्ट हो गया , सूचना पर पहुंचे छेत्र के लेखपाल अखिलेश कुमार ने नष्ट हुए सामान का आंकलन कर शाशन से हर सम्भव मदद दिलाये जाने का अस्वाशन पीड़ित को दिया , वही दूसरी घटना क्षेत्र के पाठकपुर गांव में श्रीक्रष्ण द्विवेदी के घर घटी कल शाम लग्भग आठ बजे श्रीकेषन अपने परिवार के साथ कमरे में बैठे चाय पी रहे थे कि अचानक पूरा कमरा बैठ गया जिसमें श्रीकेशन व उनके लड़के गोपाल दब गए ,जिनको निकालने में उनके बड़े लड़के कन्हैया तथा पत्नी को भी चोटे आ गई वही श्रीकेषन तथा गोपाल के भी चोट आई ,कमरा गिरने से उनकी गृहस्थी का सामान सब दब कर नष्ट हो गया वही छेत्रीय लेखपाल ने घटना स्थल पहुंच हुए नुक्सान का आंकलन कर शाशन से हर सम्भव मदद दिलाये जाने का आश्वाशन दिया.

पेज 1 का शेष

विश्वनाथ धाम हैं.....

विश्वविद्यालय परिसर में दिव्यांगजन द्वारा संचालित कैण्टीन का शुभारम्भ किया। उन्होंने सभी को हिन्दी दिवस की बधाई दी। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और भाषा विभाग के अन्तर्गत हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज को अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज की यह संगोष्ठी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने निज भाषा के विषय में कहा था कि ह्यनिज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ह्न अगर हमारे भाव और हमारी भाषा स्वयं की नहीं है, तो हमारी प्रगति हर स्तर पर बाधित होगी। इस बाधा को हटाने के लिए देश में आजादी के आन्दोलन से लेकर उसके बाद हिन्दी की उन्नति के लिए विभिन्न कार्य किये गये। इस दिशा में नए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। विभिन्न संस्थाओं को मिलकर इस अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज मेडिकल और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम भी हिन्दी में संचालित किये जा रहे हैं। इस दिशा में लोगों के मन में एक भाव उत्पन्न हुआ है। पहले दुनिया के राजनयिकों से अंग्रेजी या उनकी भाषा में संवाद बनाया जाता था। आज जब विभिन्न देशों के राजनयिक हमारे देश में आते हैं, तो वह हिन्दी के माध्यम से हमसे संवाद बनाना चाहते हैं। यह हम सभी को एक नए भारत का दर्शन कराता है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के संतों की परम्परा सदैव जोड़ने की रही है। प्राचीन काल से ही भारत की ऋषि परम्परा ने समतामूलक समाज को महत्व दिया है। केरल में जन्मे एक संन्यासी आदिशंकर ने भारत के चार कोनों में चार पीठों की स्थापना की। जब आचार्य शंकर अपने अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर आगे की साधना के लिए काशी आए, तो साक्षात भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। प्रातःकाल जब आदिशंकर गंगा स्नान के लिए जाते हैं, तो सबसे अछूत कहे जाने वाले चाण्डाल के रूप में भगवान शंकर उनके मार्ग में खड़े हो जाते हैं। आदिशंकर चाण्डाल से अपने मार्ग से हटने के लिए कहते हैं। चाण्डाल आदिशंकर से कहते हैं कि आप स्वयं को अद्वैत ज्ञान का मर्मज्ञ मानते हैं। आप किसको हटाना चाहते हैं। आपका ज्ञान क्या इस भौतिक काया को देख रहा है या इसके अन्दर बसे हुए ब्रह्म को देख रहा है। अगर ब्रह्म सत्य है, तो जो ब्रह्म आपके अन्दर है, वही ब्रह्म मेरे अंदर भी है। इस ब्रह्मसत्य को जानकर यदि आप इसे ठुकरा रहे हैं, तो आपका ज्ञान सत्य नहीं है।आदिशंकर एक चाण्डाल से ऐसी बात सुनकर आश्चर्यचकित थे। उन्होंने चाण्डाल से पूछा कि आप कौन हैं। तब चाण्डाल ने उत्तर दिया कि जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए आदिशंकर केरल से काशी आए हैं, वह इसका साक्षात स्वरूप विश्वनाथ हैं। आदिशंकर भगवान शिव के समक्ष नतमस्तक होते हैं। उन्हें यह ज्ञान भी होता है कि भौतिक अस्पृश्यता साधना के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा है। यह राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भी सबसे बड़ी बाधा है। यदि इस बाधा को हमारे समाज ने समझा होता, तो यह देश कभी भी गुलाम नहीं होता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की संत परम्परा ने कभी भी छुआछूत और अस्पृश्यता को महत्व नहीं दिया। उन्होंने हमेशा समरस समाज पर जोर दिया है। संत रामानन्द ने भारत की उपासना विधि की एक विशिष्ट पद्धति को आगे बढ़ाया। उन्होंने भी छुआछूत और अस्पृश्यता को महत्व नहीं दिया। उनका जोर उस समय के समाज को जोड़ने पर था। संत रविदास और संत कबीर उनके शिष्य बने।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की नाथ परम्परा ने जाति, मत, मजहब, क्षेत्र तथा भाषा का कभी भी अनादर नहीं किया, बल्कि सभी को सम्मान दिया और सभी को जोड़ने का प्रयास किया। यह आध्यात्मिक के साथ ही व्यावहारिक उपासना पद्धति है। इसने एक और काया की शुद्धि पर ध्यान दिया और उसके माध्यम से आध्यात्मिक उन्नयन का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर समरस समाज के माध्यम से प्रत्येक तबके को अपने साथ जोड़ने का काम भी किया। समाज को जोड़ने, उसे आध्यात्मिक उन्नयन प्रदान करने एवम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए गुरु गोरखनाथ द्वारा रचे गए सबद, दोहे एवं पद आदि हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ के सामाजिक अवदान का उल्लेख मलिक मोहम्मद जायसी ने अपने ग्रंथ पद्मावत में किया है। अपनी रचना पद्मावत में मलिक मोहम्मद जायसी ने कहा कि बिनु गुरु पंथ न पाइए, भूलै से जो भेंट। जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट। संत कबीर ने कबीर ग्रंथावली में गुरु गोरखनाथ की योग पद्धति के बारे में कहा कि गोरख सोई ग्यान गमि गहै, महादेव सोई मन को लहै। सिद्ध सोई जो साधै ईती, नाथ सोई जो त्रिभुवन जती। संत तुलसीदास इससे भी आगे बढ़कर कहते हैं कि ह्यगोरख जगायो जोगू, भगति भगायो लोगू। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण संत साहित्य परम्परा में महायोगी गोरखनाथ की परम्परा का दर्शन होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हिन्दी साहित्य की परम्परा संत साहित्य से आगे बढ़ती है। संत साहित्य की आधारशिला महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य है। इस पर शोध और ऐसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। गुरु गोरखनाथ जी के सबद और पद का संकलन हिन्दी साहित्य के विद्वान डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने ह्यगोरख बानीह्न के रूप में किया है। उन्हें इसके लिए हिन्दी की पहली डि0लिट की उपाधि भी प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हिन्दी दिवस के अवसर पर इस संगोष्ठी में साहित्यकारों एवं विद्वानों को आमंत्रित करना बेहद सुखदायी है। इस संगोष्ठी में आज के समय के प्रासंगिक विषयों पर चर्चा होगी, जो अत्यन्त लाभकारी होगी। इस संगोष्ठी में विभिन्न सत्रों में नाथसिद्ध परम्परा व नाथपंथ की सामाजिक समरसता एवं साधना पर भी चर्चा की जाएगी। विगत दिनों उन्हें अयोध्या में रामेश्वरम से आए हुए एक संत ने तमिलनाडु के सुदूर किनारे पर गुरु गोरखनाथ से जुड़े स्थलों के बारे में प्राचीन साहित्य की पाण्डुलिपियां उपलब्ध कराई थी। गुरु गोरखनाथ जी से जुड़े सैकड़ो वर्ष पुराने स्थल वहां आज भी मौजूद है। कर्नाटक में मंजूनाथ का बहुत महत्व है। वहां की परंपरा कहती है कि मंजुनाथो हि गोरक्षं। गोरखनाथ जी वहां पर मंजूनाथ के रूप में प्रतिष्ठित हैं महाराष्ट्र की परम्परा में संत ज्ञानेश्वर से वारकरी सम्प्रदाय का प्रारम्भ होता है।

राजकीय महाविधालय में आत्महत्या रोकथाम दिवस का हुआ आयोजन

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव असोहा। राजकीय महाविधालय में आत्महत्या रोकथाम दिवस जागरूकता और सहयोग से बचाये जिंदगी जागरूकता कार्यक्रम मनाया ।आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर दुनिया भर में लाखों लोग आत्महत्या से होने वाली मौत को रोकने के लिए एकजुट हो रहे हैं। इसदिवस का उद्देश्य आत्महत्या के प्रति जागरूकता बढ़ाना मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता लाना और समय पर हस्तक्षेप करके जिंदगियां बचाने पर जोर देना है। भारत में हर साल लगभग 164000 लोग आत्महत्या करते हैं। इस संवेदन शील मुद्दे पर महाविधायल में आई आई सी प्रोफेसर डॉ कीर्ति मदनानी ,प्राचार्या डॉ दीप्ति खरे आदि ने विचार व्यक्त किये ।

सीएचसी द्वारा पिंजरा गांव में नि:शुल्क जागरुकता अभियान का हुआ आयोजन

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

पुरवा उन्नाव। सीएचसी द्वारा पिंजरा गांव में नि:शुल्क जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया जिसके तहत एचआईवी के विषय में जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आईसीटीसी महेश कुमार द्वारा ग्राम पंचायत पिंजरा मे लोगों को जागरुक करते हुए एचआईवी के विषय में जानकारी दी गई। साथ ही लोगों से अपील किया कि अपनी एचआईवी जांचे कराए। जिसके लिए प्रोत्साहित किया ताकि सामाजिक लांक्षन व भेद भाव को दूर कर समाज में समानता का व्यवहार बना रहे। इस दौरान एएनएम अमिता, सीएचओ सचिन, ग्राम प्रधान नीलू यादव आदि मौजूद रहे ।पुरवा : क्षेत्र के बेवल निवासी माया देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पिता विजय शंकर 13 सितंबर सुबह शौच क्रिया की बात कहकर घर से निकले थे ।काफी देर तक घर वापस ना आने पर खोजबीन की गई ।जिसपर गांव के बाहर से निकली शारदा नहर पुरवा ब्रांच के पास जानवर चरा रहे लोगो से जानकारी की गई तो कुछ लोगो ने थोड़ी देर पहले नहर के पास पिता को देखने की बात बताई ।जिसपर पिता के नहर में डूबने की आशंका पर गांव के कुछ लोगो ने पानी में कूदकर खोजबीन की ।लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। कोतवाल राकेश गुप्ता ने बताया कि तहरीर मिली है ।पुलिस को भेजकर जांच कराई जा रही है.

ब्रिक्स सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगा चीन: जियाओदोंग

बीजिंग, एजेंसी।

उप विदेश मंत्री चेन जियाओदोंग ने यहां 11वें जियांगशान सुरक्षा फोरम में कहा कि चीन ब्रिक्स के भीतर उपयोगी सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगा।श्री जियाओदोंग ने कहा कि चीन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), ब्रिक्स, चीन-मध्य एशिया जैसे तंत्रों की संरचना में सहयोग को बढ़ावा देगा, ताकि एक दूसरे के पूरक बनें। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल को बढ़ावा दें और एससीओ के साझा भविष्य के साथ समुदाय निर्माण की प्रक्रिया में विभिन्न चुनौतियों का व्यापक जवाब दें और यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि ग्रेटर ब्रिक्स सहयोग सुरक्षा के क्षेत्र में फलदायक बना रहे।

खास खबर

इजरायली हवाई हमले से लेबनान में 13 लोग घायल

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के कफर रुम्मान शहर में हुए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 13 लोग घायल हो गए हैं। अल जजीरा प्रसारक ने लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी।प्रसारक ने कहा कि यह हमला कथित रूप से उस इमारत के पास हुआ जहां घायल लोग मौजूद थे। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन संचालन केंद्र ने शुक्रवार को कहा कि एक इजरायली ड्रोन ने दक्षिणी लेबनान के अहमदीह बस्ती में एक इमारत पर हमला किया.जिसके कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए।

बंगलादेश में भूस्खलन से छह लोगों की मौत

ढाका। बंगलादेश के दक्षिणपूर्वी कॉक्स बाजार जिले में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को दी।अतिरिक्त शरणार्थी राहत एवं प्रत्यावर्तन आयुक्त मोहम्मद शमसुद्दौजा नयन ने कहा कि ढाका से लगभग 392 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में कॉक्स बाजार जिले में एक शरणार्थी शिविर में गुरुवार को भारी भूस्खलन हुआ। उन्होंने कहा कि जिले के हतीकुमरूल-14 रोहिंग्या शिविर में भूस्खलन के कारण रोहिंग्या परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जो लगभग 10 लाख रोहिंग्या शरणार्थियों का घर है। उनमें से अधिकांश पहाड़ियों की ढलान पर रहते हैं और भूस्खलन के कारण शिविर में कम से कम तीन झोपड़ियां नष्ट हो गई।कॉक्स बाजार जिले के सुदूर पहाड़ी इलाके में शुक्रवार तड़के भूस्खलन आया, जिसमें घर की दीवार गिरने से तीन और लोगों की मौत हो गई।

लेबनान ने इजरायल पर 5 मिसाइलें दागीं

यरूशलम। लेबनान से इजरायल के क्षेत्र में लगभग पांच मिसाइलें दागी गयी हैं। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, ऊपरी गैलिली क्षेत्र में सायरन बजने के बाद, लेबनान से इजरायल में पांच मिसाइलों की पहचान की गई। कुछ मिसाइलों को रोक दिया गया और अन्य खुले इलाकों में गिरीं। आईडीएफ के अनुसार किसी के घायल होने की सूचना नहीं है गौरतलब है कि अक्टूबर 2023 में इजरायल द्वारा गाजा में हमला शुरू करने के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर तनाव की स्थिति और अधिक बढ़ गयी। आईडीएफ और हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा से लगे इलाकों में एक-दूसरे के ठिकानों पर लगभग रोजाना हमले करते हैं।

युवावस्था में स्वास्थ्य खराब कर सकता है

बचपन का मोटापा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। विशेषज्ञों का कहना है कि आजकल बच्चों में ज्यादातर मोटापे जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। यह एक प्रमुख स्वास्थ्य चिंताओं में से एक है क्योंकि यह बाद की जिंदगी में खराब स्वास्थ्य का कारण बन सकता है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा छोटी उम्र के समूह का है, इसलिए बचपन में मोटापा एक बढ़ती चिंता का विषय बनता जा रहा है, जो आगे चलकर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। विशेषज्ञों ने बचपन के मोटापे से जुड़े दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों और समय रहते इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया है। मोटापे के प्रबंधन और रोकथाम में स्कूल आधारित शिक्षा और स्वस्थ भोजन कार्यक्रम जैसी पहल महत्वपूर्ण है।

जीवनशैली में बदलाव बेहद जरूरी है, ताकि आगे चलकर इससे होने वाले जोखिमों से बचा जा सके। अगर समय रहते इस पर काम नहीं किया गया तो आगे चलकर कई गंभीर बीमारियों में सर्जरी ही एक मात्र विकल्प रह जाती है। सर गंगा राम अस्पताल में मिनिमल एवं बैरिएट्रिक तथा रोबोटिक सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ. दक्ष सेठी ने बताया, हमारे देश में बचपन का मोटापा एक बड़ी समस्या है, क्योंकि हमारी युवा आबादी बहुत बड़ी है। मोटे बच्चों में आगे चलकर युवावस्था में भी मोटापे की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में उन्हें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, जोड़ों में दर्द और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया जैसी कई चयापचय संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए, स्कूल आधारित पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला है, जिसमें स्कूल मासिक रूप से बीएमआई पर नजर रखते हैं और परिवारों से इसके बारे में बात करते हैं। उन्होंने बच्चों में मोटापे की निगरानी और प्रबंधन के लिए इसी तरह के दृष्टिकोण को देश में अपनाने का सुझाव दिया। उपचार के बारे में डॉ. सेठी ने बताया कि इसमें सबसे पहले

जीवनशैली में बदलाव लाना महत्वपूर्ण हैं। बड़े बच्चों या विशिष्ट स्थितियों वाले लोगों के लिए बैरिएट्रिक सर्जरी पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने युवा अवस्था में वजन बढ़ने से दिल की बीमारियों के बारे में बात की। साथ ही इसके समाधान के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ-साथ दीर्घकालिक हृदय संबंधी समस्याओं को रोकने के लिए हर साल में स्वास्थ्य जांच करवाने पर भी जोर दिया गया है।

गोवा के मणिपाल अस्पताल में इंटरवेंशनल कार्डीयोलॉजी में कंसल्टेंट डॉ. ज्योति कुसनूर ने बताया कि वयस्कता की शुरुआत में अधिक वजन उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और चयापचय संबंधी विकारों के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है। यह धमनियों में प्लाक के निर्माण में योगदान देता है, जिससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और हानिकारक आदतों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज के स्तर की निगरानी के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और उनके प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।

संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ-साथ दीर्घकालिक हृदय संबंधी समस्याओं को रोकने के लिए हर साल स्वास्थ्य जांच करवाने पर भी जोर।

धरती से मिला तबाही का संकेत

वैज्ञानिकों का बड़ा दावा: 9 दिनों तक धरती पर आ रही अजीब आवाज, हैरान हुए वैज्ञानिक

लंदन, एजेंसी।

पिछले साल सितम्बर में दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने भूकंपीय गतिविधियों पर नजर रखने वाले उपकरणों पर हैरान करने वाले संकेत देखे। यह ऐसे संकेत थे, जिन्हें पहले कभी नहीं देखा गया था। आर्कटिक से लेकर अंटार्कटिका तक इसे हर जगह दर्ज किया गया। भूकंप की गड़गड़ाहट के बजाय यह संकेत केवल एक वाइब्रेशन फ्रीक्वेंसी के साथ एक लगातार बना हुआ था। यह नौ दिनों तक चला, जो शोधकताओं के लिए हैरान करने वाला था। जर्मनी की ब्लैक फॉरेस्ट वेधशाला में उस दिन मौजूद डॉ. रुडोल्फ विडमर बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों से वेधशाला में काम करते हुए मैंने जो कुछ भी देखा, यह सिग्नल उससे अलग था। हैरानी की बात यह थी कि यह संकेत 9 दिनों तक हर कुछ घंटे में रिपीट होता रहा।

शोधकताओं ने इसे एक अज्ञात भूकंपीय वस्तु (वरड) के रूप में वर्गीकृत किया। इस सिग्नल ने हैरानी के साथ ही वैज्ञानिकों की चिंता भी बढ़ा दी। इस स्तर का सिग्नल केवल किसी बड़ी चीज के कारण हो सकता है, लेकिन ऐसी बहुत कम चीजें हैं जिनके बारे में हम जानते हैं कि यह उत्पन्न हो सकता है। यह ज्वालामुखी या टेक्टोनिक अस्थिरता या किसी अज्ञात हथियार परीक्षण का संकेत हो सकता है। दूसरी संभावना यह थी कि यह दुर्लभ भूवैज्ञानिक प्रक्रिया हो सकती है, जिसका विज्ञान ने अभी तक पता नहीं लगाया है। इसके बाद दुनिया भर के भूकंपविज्ञानी इसका पता लगाने की कोशिश कर रहे थे। अब एक साल बाद वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को सुलझाने में सफलता हासिल की है। इसके निष्कर्षों को साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

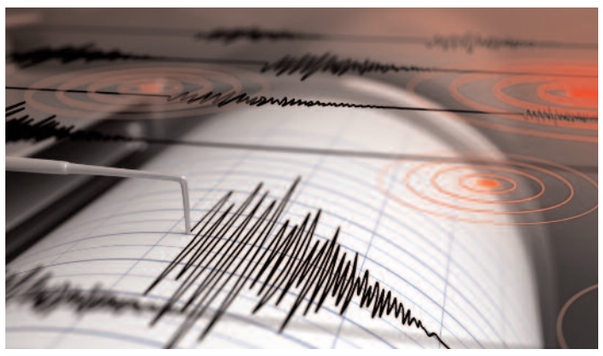

डेनमार्क के पास आई थी सुनामी

15 देशों और 40 संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रहस्यमय सिग्नल के कारण का पता लगाने के लिए अपना संसाधनों और डेटा को जमा किया। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के भूकंप विज्ञानी और अध्ययन के सह लेखक स्टीफन हिक्स ने कहा, शुरूआत में बहुत कम जानकारी होने के कारण शोधकताओं ने सिग्नल को यूएसओ के रूप में बताया था। उन्होंने लेख में बताया कि शुरूआती परिणामों ने बताया कि सिग्नल पूर्वी ग्रीनलैंड से आ रहा था। जब भूकंप विज्ञानियों को सिग्नल के बारे में पता चला, उसी समय डेनमार्क की सेना को डिक्सन फ्योर्ड में सुनामी की जानकारी मिली थी।

जलवायु परिवर्तन है जिम्मेदार

सेना ने सुनामी की जानकारी के लिए बाद में एक जहाज भेजा। वहां ग्लेशियर को नुकसान पाया गया जो केवल 200 मीटर ऊंची मेगा-सुनामी के चलते हो सकता था। वैज्ञानिकों ने पाया कि वह एक बड़ा भूस्खलन हुआ था, जिसमें एक पहाड़ ढहकर ग्लेशियर में चला गया था। डॉ हिक्स आगे कहते हैं कि 'ठीक है, हम जानते हैं कि सुनामी आई। लेकिन यह सिग्नल नौ दिनों तक क्यों बना रहा?' सैटेलाइट और ड्रोन तस्वीरें, पहले और बाद की तस्वीरें व डेटा और सुनामी के साथ सिमुलेशन को जोड़कर टीम ने पता लगाया कि यह सिग्नल एक घटना के कारण आया था, जिसे सीशे (Seiche) कहा जाता है। यह तब होता है, जब पानी को झील जैसे जलाशय के एक तरफ से दूसरी तरफ धकेला जाता है।डॉ. हिक्स ने बताया कि जलवायु परिवर्तन ने पहाड़ के ढहने में योगदान दिया। पिछले कुछ दशकों में ग्लेशियर 30 मीटर तक पतला हो गया था। इससे पहाड़ का सहारा कमजोर हो गया और यह ढह गया। इसके चलते पृथ्वी में कंपन्न हुआ और भूकंपीय तरंगे पैदा हुईं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर महसूस किया गया। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे ग्रह गर्म होता जा रहा है, हम ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं को और अधिक देख सकते हैं।

डिफॉल्ट के कगार पर खड़ा मुइज्जू का मालदीव

मुइज्जू के मंत्री जप रहे नाम, क्या संकटमोचक बन बचाएगा भारत

माले, एजेंसी।

बाहरी कर्ज के दबाव और आर्थिक संकट के चलते डिफॉल्ट के कगार पर खड़े मालदीव की सरकार ने कहा है कि वह वित्तीय संकट को टालने के लिए पूरी तरह से तैयार है। श्रीलंका दौरे पर पहुंचे मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर और वित्त मंत्री मोहम्मद शफीक ने कोलंबो में पत्रकारों से बात करते हुए संभावित डिफॉल्ट से इनकार किया।

यह आश्वासन तब आया है जब कुछ दिन पहले ही ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग को डाउनग्रेड करने के साथ ही संभावित डिफॉल्ट की चेतावनी दी है। इस बीच रिपोर्ट है कि मालदीव को संकट से निकालने के लिए उसका पुराना दोस्त भारत वित्तीय सहायता

देने की तैयारी कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मालदीव को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रा स्वैप कार्यक्रम के तहत 40 करोड़ डॉलर मिल सकते हैं, जबकि 2019 में विस्तारित 80 करोड़ डॉलर की कर्ज सीमा के तहत द्वीपीय देश अतिरिक्त कर्ज की मांग कर सकता है। मालदीव सरकार ने अभी तक औपचारिक रूप में भारत से मदद का अनुरोध नहीं किया है, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की हाल ही में होने वाली भारत यात्रा के दौरान इस पर चर्चा हो सकती है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने पिछले साल नवम्बर 2023 में एक बड़ी चुनावी जीत के बाद मालदीव की कमान संभाली थी।

सरकार संभालने के साल भर के भीतर ही मुइज्जू को एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। देश के इस्लामी बांड सुकुक पर संभावित डिफॉल्ट का खतरा मंडरा रहा है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि मालदीव को अक्टूबर में 2.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करना है, जो उसके 50 करोड़ के सुकुक (इस्लामी बांड) का हिस्सा है। मालदीव के सामने आर्थिक चुनौतियों बदतर होती जा रही हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अनुसार, मार्च 2024 तक देश का कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद का 110 प्रतिशत हो गया है, जबकि विदेशी मुद्रा भंडार घट रहा है। अगस्त के अंत में, मालदीव के पास 43.7 करोड़ डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, जो केवल छह सप्ताह के आयात के लिए पर्याप्त था।

मालदीव को भारत से उम्मीद

मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण ने पुष्टि की है कि वह भारत के साथ 40 करोड़ डॉलर के मुद्रा स्वैप के लिए चर्चा कर रहा है, लेकिन भारत ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। मालदीव के मंत्रियों ने भी विश्वास जताया है कि देश के द्विपक्षीय साझेदार आगे आएंगे। चीन मालदीव का सबसे बड़ा कर्जदाता है और भारत एक अन्य प्रमुख सहयोगी है। जमीर ने कहा, 'भारत और चीन दोनों ही हमारी चुनौती को लेकर संवेदनशील हैं और मदद करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने संभावित मुद्रा स्वैप और लोकल करेंसी सेटलमेंट समेत कई विकल्पों की ओर इशारा किया और कहा हम इन पर तब चर्चा करेंगे जब जरूरत होगी।

पेज 1 का शेष

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा....

लगाते हैं। संगम आने वाले कल्पवासी घर वापसी से पहले यहां आते हैं और भूल-चूक के लिए क्षमा याचना करते हैं। प्रतिदिन यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। मंगल और शनिवार को यहां सुबह से श्रद्धालुओं की बडी कतार रहती है।सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार की रात आठ बजे से लेकर शनिवार शाम पांच बजे बजे के दौरान फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 2.13 मीटर, छतनाग में 2.21 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 1.71 मीटर बढ़ा है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की रात आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.97, छतनाग में 80.07 और नैनी में यमुना का जलस्तर 81.25 मीटर दर्ज किया गया था जो शनिवार को चार बजे बढ़कर क्रमशः 82.10 मीटर, 82.28 मीटर और 82.96 मीटर पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में यमुना का जलस्तर स्थिर है जबकि गंगा का जलस्तर में प्रति चार घंटे में तीन सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है।पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ दिल्ली, हरियाणा, पंजाब उत्तराखंड में भारी बारिश हो रही है जिसका असर भी प्रयागराज में गंगा और यमुना पर दिखलाई पड़ रहा है। इसके अलावा यमुना की सहायक नदियां केन, बेतवा आदि के प्रवाह क्षेत्र में भारी बारिश के कारण प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है लेकिन उसकी गति धीमी है।

पीएम मोदी का तूफानी....

में 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।17 सितंबर को, प्रधानमंत्री ओडिशा की यात्रा करेंगे और ओडिशा के भुवनेश्वर में दोपहर करीब 12 बजे 3,800 करोड़ रु. की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह इससे पहले लगभग 11:15 बजे, वह प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी के लाभार्थियों के साथ बातचीत करेंगे।झारखंड में प्रधानमंत्री श्री मोदी 660 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह झारखंड के देवघर जिले में मधुपुर बायपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखेंगे। पूरा होने के बाद, मधुपुर बाईपास लाइन हावड़ा-दिल्ली मुख्य लाइन पर ट्रेनों की देरी से बचने में मदद करेगी और गिरिडीह और जसीडीह के बीच यात्रा के समय को कम करने में भी मदद करेगी और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो इस स्टेशन पर कोचिंग स्टॉक के रखरखाव की सुविधा में मदद करेगा। प्रधानमंत्री राष्ट्र को कुरकुरा-कनारोन दोहरीकरण भी समर्पित करेंगे जो बंडामुंडा-रांची सिंगल लाइन खंड का हिस्सा है और रांची, मुरी और चंद्रपुरा स्टेशनों के माध्यम से राउरकेला-गोमो मार्ग का हिस्सा है। यह परियोजना माल और यात्री यातायात की गतिशीलता बढ़ाने में काफी मदद करेगी। इसके अलावा, आम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 04 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) भी राष्ट्र को समर्पित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें टाटानगर-पटना, भागलपुर-दुमका-हावड़ा, ब्रह्मपुर - टाटानगर, गया-हावड़ा, देवघर-वाराणसी तथा राउरकेला-हावड़ा मार्गों पर कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी। इन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत से नियमित यात्रियों, पेशेवरों, व्यवसाय और छात्र समुदाय को लाभ होगा। ये ट्रेनें देवघर (झारखंड) में बैद्यनाथ धाम, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में काशी विश्वनाथ मंदिर, कालीघाट, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में बेलूर मठ आदि जैसे तीर्थ स्थलों तक आवागमन का तेज साधन प्रदान करके क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी।इसके अलावा, धनबाद में कोयला खदान उद्योग, कोलकाता में जूट उद्योग, दुर्गापुर में लौह और इस्पात संबद्ध उद्योगों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। सभी के लिए आवास की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री झारखंड के 20 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे। वह लाभार्थियों को सहायता की पहली किश्त जारी करेंगे। प्रधानमंत्री 46 हजार लाभार्थियों के गृह प्रवेश समारोह में भी शामिल होंगे।गांधीनगर में प्रधानमंत्री श्री मोदी गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में री-इन्वेस्ट 2024 का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण और तैनाती में भारत की प्रभावशाली प्रगति को उजागर करने के लिए तैयार है। इसमें दुनिया भर के प्रतिनिधियों को आकर्षित करने वाला ढाई दिवसीय सम्मेलन होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पूर्ण सत्र, सीईओ गोलमेज सम्मेलन और नवीन वित्तपोषण, हरित हाइड्रोजन और भविष्य के ऊर्जा समाधानों पर विशेष चर्चा सहित एक व्यापक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस आयोजन में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क और नॉर्वे भागीदार देश के रूप में भाग ले रहे हैं। गुजरात राज्य मेजबान राज्य है और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश राज्य भागीदार राज्य के रूप में भाग ले रहे हैं। शिखर सम्मेलन भारत की 200 गीगावॉट से अधिक स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता की उल्लेखनीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदानकताओं को सम्मानित करेगा।प्रधानमंत्री गुजरात के अहमदाबाद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कई प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनमें सामाखियाली - गांधीधाम और गांधीधाम - आदिपुर रेलवे लाइनों का चौगुनाकरण, एएमसी, अहमदाबाद में प्रतिष्ठित सड़कों का विकास और बकरोल, हाथीजन, रामोल पर फ्लाईओवर पुलों का निर्माण शामिल है। और पंजरपोल जंक्शन। प्रधानमंत्री 30 मेगावाट के सोलर सिस्टम का उद्घाटन करेंगे। वह कच्छ लिग्नाइट थर्मल पावर स्टेशन, कच्छ में 35 मेगावाट बीईएसएस सौर पीवी परियोजना और मोरबी और राजकोट में 220 किलोवोल्ट सबस्टेशन का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के सिंगल विंडो आईटी सिस्टम का शुभारंभ करेंगे, जिसे वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 30 हजार से अधिक घरों को मंजूरी देंगे और इन घरों के लिए पहली किस्त जारी करेंगे, साथ ही पीएमएवाई योजना के तहत घरों के निर्माण का शुभारंभ करेंगे। वह राज्य के लाभार्थियों को पीएमएवाई के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के तहत पूर्ण मकान भी सौंपेंगे। इसके अलावा, वह भुज से अहमदाबाद तक भारत की पहली वंदे मेट्रो और कई वंदे भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें नागपुर से सिकंदराबाद, कोल्हापुर से पुणे, आगरा कैंट से बनारस, दुर्ग से विशाखापत्तनम, पुणे से हुबली और वाराणसी से दिल्ली तक पहली 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन सेट शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास में आई.....

प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौमाता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम 'दीपज्योति' रखा है।रपीएम मोदी द्वारा शेयर किया गया ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को 250.3 लाख व्यूज मिले हैं, इसके अलावा इसे 18.5 हजार से अधिक लोगों ने पंसद किया है। साथ ही 4,864 बार इस वीडियो को री पोस्ट किया गया है।पीएम मोदी के इस वीडियो पर यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है। कुलदीप नेहरा नाम एक यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आज का सबसे खूबसूरत वीडियो, गौमाता का आशीर्वाद सदैव बना रहे, ऐसे ही कोई नरेंद्र मोदी नहीं बन जाता है।वहीं, सीमा सिंह नाम की एक अन्य यूजर ने लिखा, रबहुत-बहुत शुभकामनाएं, आज एकादशी पर गौ माता का आगमन होना अति शुभ है।प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर गाय ने बछिया को जन्म नवरात्रि से कुछ दिन पहले दिया है। पीएम मोदी मां दुर्गा के बहुत बड़े भक्त हैं और पूरे नौ दिनों तक उपवास रखते हैं। वह नौ दिनों की अवधि के दौरान सख्त दिनचर्या का पालन करते हैं और केवल गर्म पानी का सेवन करते हैं।

दिल्ली से सियासी पारी खेलेंगी....

कि भाजपा के इस विश्वास का आधार पिछले दो चुनावों के नतीजे हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव में भाजपा की जिस करारी हार की उम्मीद की जा रही थी वैसी हार नहीं हुई थी। आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों की संख्या में मामूली-सा ही अंतर रहा था। इसके अलावा, हालिया लोकसभा चुनावों में भाजपा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को सभी सातों सीटों पर मात दी थी। अब भाजपा का प्रयास है कि योजनाबद्ध तरीके से पार्टी के प्रचार का काम आगे बढ़ाया जाये। लेकिन भाजपा को इस बात की कमी खटक रही है कि उसके पास अरविंद केजरीवाल के कद का कोई नेता नहीं है। भाजपा को इस बात की कमी खटक रही है कि उसके पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है जिसके नेतृत्व में दिल्ली की जनता एकजुट हो सके। इसलिए पार्टी ने काफी मंथन कर एक नाम खोज निकाला है। हम आपको बता दें कि बताया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और अमेठी से राहुल गांधी को चुनाव हरा चुकीं स्मृति ईरानी भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार बनाई जा सकती हैं। दरअसल, दिल्ली में भाजपा का बड़ा आधार महिला वोट बैंक है और स्मृति ईरानी की महिलाओं के बीच अच्छी पैठ है इसको देखते हुए उनके नाम पर आने वाले दिनों में मुहर लगाई जा सकती है।हम आपको बता दें कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गतिविधियों में अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी की बढ़ती भागीदारी से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजधानी की राजनीति में उनकी संभावित ह्यह्यभूमिकाह्लह्ल को लेकर पार्टी की स्थानीय इकाई में हलचल बढ़ गई है। दिल्ली में जन्मी और यहीं पर पली-बढ़ी पूर्व केंद्रीय मंत्री राजधानी में पार्टी के सदस्यता अभियान से संबंधित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होती नजर आ रही हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि उन्हें दिल्ली में 14 जिला इकाइयों में से सात में सदस्यता अभियान की देखरेख का जिम्मा सौंपा गया है। हालांकि पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने यह भी दावा किया कि ईरानी ने दक्षिण दिल्ली में एक घर खरीदा है जो राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी की गतिविधियों में उनकी आगे की बढ़ती भागीदारी का संकेत देता है।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत
R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक **जूही सिन्हा** द्वारा रुद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।